नवनिध गर्ल्स स्कूल में गुरू पूर्णिमा महोत्सव हर्ष-उल्लास के साथ मनाया गया

भगुरू बिन ज्ञान नहीं जग माहि अर्थात बिना गुरू के जीवन में ज्ञान नहीं मिलता और जीवन दूभर हो जाता है अतः गुरूओं को सम्मान देने के लिए नवनिध विद्यालय में गुरू पूर्णिमा पर्व गरिमामय समारोह में हर्ष-उल्लास के साथ मनाया गया।

माँ सरस्वती, माँ भारती एवं परमहंस संत हिरदाराम साहिब जी के श्री चरणों में माल्यार्पण व दीप-प्रज्वलन कर, कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। सर्वप्रथम छात्राओं ने शास्त्रीय समूह नृत्य द्वारा गुरू महिमा का वर्णन कर अपने भाव व्यक्त किए। तत्पश्चात कक्षा चौथी की छात्रा कु. अंजलि भावनानी ने गुरूओं का जीवन में क्या महत्त्व है? वर्षों से चली आ रही गुरू-शिष्य परम्परा पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि चाहे हम कितने भी आधुनिक हो जाए गुरूओं का महत्त्व कभी भी कम नही हो सकता।

विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य श्री मनोहर वासवानी ने भी अपने उद्बोधन में कहा कि जीवन में नियमों का पालन करने से और गुरूओं को सम्मान देने से ही सफलता प्राप्त होती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हमारा विद्यालय इसलिए अनूठा और अपने आप में विशिष्ट है क्योंकि यहाँ पर छात्राओं को गुरूओं को सम्मान देना सिखाया जाता है। आज गुरूघासीराम की जयंती है अतः सभी गुरूओं के प्रति सम्मान और श्रद्धा की भावना रखते हुए हम उन्हें अपने श्रद्धासुमन समर्पित करते है। बचपन से ही रोपित यह संस्कार जीवन में उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है एवं सफल बनाता है। श्री मनोहर वासवानी, श्री मनीष आर.के.जैन, सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को पुष्प गुच्छ द्वारा सम्मानित किया गया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

प्राचार्य श्री मनीष आर.के.जैन ने सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को गुरू पूर्णिमा पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि सफलता का मार्ग अत्यंत सरल है, बस गुरूओं के बताए मार्ग का पालन कर जीवन के चरम आंनद को प्राप्त किया जा सकता है। प्रेम, विश्वास और आनंद को गुरूओं के बताए मार्ग पर चलकर ही प्राप्त किया जा सकता है। छात्राओं ने लघु नाटिका एकलव्य द्वारा गुरूओं के महत्त्व को प्रतिपादित किया। लघु-नाटिका द्वारा दिए गए संदेश को छात्राओं ने अच्छी तरह आत्मसात किया। साथ ही यह भी समझा कि गुरूओं के प्रति श्रद्धा रखकर ही जीवन के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।